प्रकाशन तिथि : 01 अप्रेल, 2025
प्रेषण तिथि : 04 अप्रेल, 2025

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 29 | अंक 02 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

भारतीय अस्मिता और सनातन संस्कृति का प्रतीक है चित्तौड़गढ़ दुर्ग

(चित्तौड़गढ़ में तीन दिवसीय जौहर मेले का आयोजन)

चित्तौड़गढ़ दुर्ग केवल एक किला नहीं है बल्कि भारतीय अस्मिता और सनातन संस्कृति का अमर प्रतीक है। यह ऐसी पावन भूमि है जहां के वीर मातृभूमि पर मर मिटने को अपना सौभाग्य मानते थे। चित्तौड़गढ़ शक्ति, भक्ति, त्याग और तपस्या की भूमि है। मेवाड़ का गौरवशाली इतिहास पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उपर्युक्त बात राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने 25 मार्च को चित्तौड़गढ़ के फतह प्रकाश महल में आयोजित जौहर मेले को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने सपा सांसद द्वारा राणा सांगा पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी की निंदा करते हुए कहा कि राणा सांगा ने मातृभूमि और सनातन धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उन पर ऐसी गलत टिप्पणी वही लोग कर सकते हैं जो मेवाड़ के गौरवशाली इतिहास से अनभिज्ञ हैं। उनका यह प्रयास सूर्य पर कलंक लगाने के प्रयास के समान है जो कभी सफल नहीं हो सकता। ऐसे लोगों की यह कुचेष्टा क्षमा योग्य नहीं है। कार्यक्रम को श्री क्षत्रिय युवक संघ के संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास, पूर्व राज्यपाल वीपी सिंह, खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, सहकारिता मंत्री गौतम दक, प्रभारी मंत्री मंजू बाघमार, विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, नारायण गिरी महाराज (दूधेश्वर पीठ गाजियाबाद), श्री चंद कृपलानी (विधायक निंबाहेड़ा), सुरेंद्र सिंह राठौड़ (विधायक कुंभलगढ़), अर्जुन लाल जीनगर, जिला प्रमुख गब्बर सिंह अहीर, भाजपा जिला अध्यक्ष रतन लाल गाडरी सहित अनेक वक्ताओं ने संबोधित किया।

जौहर स्मृति संस्थान के तत्वावधान में तीन दिवसीय जौहर मेला चैत्र कृष्णा नवमी, दशमी एवं एकादशी (23, 24, 25 मार्च) को चित्तौड़गढ़ में आयोजित हुआ। प्रथम दिन 23 मार्च को महाराणा सांगा स्मृति पारंपरिक ग्रामीण एवं जनजाति खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित हुई जिनमें विभिन्न प्रकार की दौड़ के साथ गोला फेंक, भाला फेंक, तीरंदाजी आदि प्रतियोगिताएं इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित की गईं। उद्घाटन समारोह के अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने की। जिला कोषाधिकारी दिग्विजय सिंह झाला मुख्य अतिथि रहे। रात्रि 8 बजे से शहर के सुभाष चौक में अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ। कवि सम्मेलन के मुख्य अतिथि चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी रहे। हर्षवर्धन सिंह रुद तथा पूर्व जिला प्रमुख भूपेंद्र सिंह बड़ोली भी उपस्थित रहे। कवि सम्मेलन समिति के नरेंद्र सिंह नरधारी तथा पुष्पेंद्र सिंह चौथपुरा ने व्यवस्था में सहयोग किया। इस दौरान प्रतिभावान विद्यार्थियों को संस्थान द्वारा स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। 24 मार्च को प्रातः भूपाल राजपूत छात्रावास में स्नैप शूटिंग प्रतियोगिता हुई जिसमें संस्थान के पदाधिकारियों सहित भूपाल पब्लिक स्कूल के प्रबंध निदेशक लाल सिंह भाटी व अन्य निर्णायक गण उपस्थित रहे।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

क्षत्रियत्व से होगी भावी पीढ़ी के सम्मान और गौरव की रक्षा: संघप्रमुख श्री

(जौहर श्रद्धांजलि समारोह में माननीय संघ प्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास के उद्बोधन का संपादित अंश)

आप सभी दूर-दूर से इस तपती धूप में भी जौहर-शाका करने वाले वीर - वीरांगनाओं को श्रद्धा सुमन अर्पित करने यहां तक आए हैं, आपकी इस भावना को मैं प्रणाम करता हूं। यह जीवन जो हमें मिला है, यह हमारे लिए नहीं दूसरों के लिए हैं, इस बात को हमारे पूर्वजों ने चरितार्थ करके दिखाया था। हम तो संतान को गर्भ में ही देशप्रेम, स्वाभिमान और स्वतंत्रता के संस्कार दे दिया करते थे। हमारी माताएं पालने मे भी बच्चों को मातृभूमि की रक्षार्थ बलिदान हो जाने की शिक्षाएं दिया करती थीं।

जलते हुए जौहर कुंड में भी कूदने में हमारी माताओं ने तनिक भी सोच विचार नहीं किया, ये हमारे संस्कार थे। लेकिन आज हमें अपने संस्कारों की उनसे तुलना करनी होगी। क्या आज भी हमारे अंदर वैसे ही संस्कार बचे हुए हैं? जौहर श्रद्धांजलि समारोह जैसे आयोजन हमें प्रेरणा देते हैं, गौरव प्रदान करते हैं, साथ ही इस चिंतन का अवसर भी देते हैं कि इस सम्मान, इस गौरव की रक्षा के लिए हम क्या कर रहे हैं?

(शेष पृष्ठ 7 पर)

गिरी सुमेल रण स्थली में कूंपा जी की प्रतिमा का अनावरण

ब्यावर जिले में स्थित गिरी सुमेल रण स्थली में 19 मार्च को 481वें बलिदान दिवस के अवसर पर वीर शिरोमणि राव कूंपा जी राठौड़ की अष्ट धातु से निर्मित भव्य मूर्ति का अनावरण समारोह आयोजित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद गजसिंह जोधपुर ने कहा कि मारवाड़ के इतिहास में राव कूंपा जी और गिरी सुमेल युद्ध का अद्वितीय स्थान है। मातृभूमि के सम्मान के लिए जैता-कूंपा के नेतृत्व में मात्र

8600 वीरों ने शेरशाह की 80 हजार की सेना से लोहा लिया और अपनी वीरता से शत्रु को पीछे हटने पर विवश कर दिया। मातृभूमि के प्रति इन वीरों के प्रेम ने उन्हें इतिहास में अमर कर दिया। ऐसे वीर नायक कूंपा जी की यह मूर्ति आने वाली पीढ़ियों को भी स्वाभिमान और देशप्रेम की प्रेरणा देगी। वीर शिरोमणि राव कूंपा जी राठौड़ मूर्ति निर्माण समिति, आसोप के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में स्थानीय विधायक व राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत ने कहा कि रणस्थली के विकास हेतु सभी आवश्यक कार्य शीघ्र पूरे किए जाएंगे जिनमें सीमेंट की सड़क का निर्माण, सभा भवन का निर्माण, हाईमास्क लाइट लगवाना आदि शामिल है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने कहा कि आप सभी ने वीर शिरोमणि राव कूंपा जी की इस मूर्ति के माध्यम से हमारे विस्मृत होते इतिहास को पुनः जीवित करने का कार्य किया है। यह प्रेरणा स्थल आने वाली पीढ़ी को अपने इतिहास से जोड़े रखने का कार्य करेगा।

(शेष पृष्ठ 7 पर)

तलवंडी रुक्का में रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

हरियाणा में हिसार के तलवंडी रुक्का में भामाशाह रघुवीर सिंह भाटी की प्रथम पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर और स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन 22 मार्च को किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि हरियाणा सरकार के लोक निर्माण विभाग मंत्री रणवीर सिंह गंगवा ने कहा कि रघुवीर सिंह जी भाटी से मेरा 28 वर्षों का संपर्क था। उनका जीवन हमेशा प्रेरणा देता है क्योंकि वे लोगों की मदद के लिए सदा तत्पर रहते थे। अपने क्षेत्र से उनका विशेष जुड़ाव रहा। शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि युवाओं को रघुवीर सिंह भाटी जैसे व्यक्तियों से प्रेरणा लेनी चाहिए। उनका जीवन अपनी जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा देता है। नगर निगम चेयरमैन प्रवीण पोपली ने कहा कि स्वर्गीय भाटी की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में इस रक्तदान और स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन सराहनीय है। स्वर्गीय भाटी के पुत्र नरेश सिंह ने कहा कि भाटी परिवार उनके दिखाए आदर्शों पर चलता रहेगा। कार्यक्रम में अखिल क्षत्रिय राजपूत महासभा के

अध्यक्ष महेंद्र सिंह तंवर, प्रदेश अध्यक्ष छगन सिंह, युवा अध्यक्ष शांतनु सिंह चौहान, हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष नरेश सिंह चौहान, उपाध्यक्ष ओमवीर सिंह, किसान मोर्चा के प्रदेश सचिव भवानी सिंह, जिला परिषद सदस्य अनिल शर्मा सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति एवं सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, भिवानी आदि क्षेत्रों से समाजबंधु शामिल हुए। कार्यक्रम में आसपास के गांव से पहुंचे 500 से अधिक लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। इनमें से जरूरतमंद लोगों के आगे के उपचार की व्यवस्था भाटी परिवार द्वारा की जाएगी। रक्तदान शिविर में 150 रक्तदाताओं ने रक्तदान दिया। उल्लेखनीय है कि 1952 में हिसार के तलवंडी रुक्का गांव में जन्मे रघुवीर सिंह भाटी 1970 में भारतीय सेना की तोपखाना 5 फील्ड रेजीमेंट में भर्ती हुए। उन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध में भी भाग लिया और वीरता और साहस का परिचय दिया। 1976 में सेना से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के पश्चात उन्होंने कृषि के साथ-साथ व्यापार प्रारंभ किया एवं उसमें उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। उन्होंने मंदिरों, गौशालाओं, अस्पतालों, सामुदायिक भवनों, सामाजिक संस्थाओं, कन्याओं के विवाह, गरीब व जरूरतमंदों की सहायता के लिए दान दिया एवं सामाजिक कार्यकर्ता व दानवीर के रूप में पहचान बनाई। 22 मार्च 2024 को उनका देहावसान हुआ।

लाडनूं में श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की दो दिवसीय कार्यशाला 22-23 मार्च को लाडनूं स्थित माधव कालेज पाबोलाव में आयोजित हुई। कार्यशाला में श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने संघ एवं फाउंडेशन की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में हुई चर्चा में बताया गया कि फाउंडेशन का कार्य सकारात्मक सामाजिक भाव वाले युवाओं की क्रियाशीलता को बढ़ाने का है और इसके लिए स्थानीय युवा शक्ति को हमें फाउंडेशन की गतिविधियों में

सहभागी बनाना चाहिए। तहसील स्तर पर फाउंडेशन के कार्य को आगे बढ़ाने की कार्ययोजना पर भी सभी प्रतिभागियों द्वारा चर्चा की गई।

कार्यशाला में संघ के लाडनूं प्रांत प्रमुख विक्रम सिंह ढींगसरी, सीकर प्रांत प्रमुख जुगराज सिंह जुलियासर, डीडवाना प्रांत प्रमुख जय सिंह सागू, सुरेन्द्र सिंह सामी, बृजेंद्र सिंह सांवलोदा, हिम्मत सिंह बेरी, गजेन्द्र सिंह ओडिंट, रविन्द्र सिंह लाडनूं, ओमपाल सिंह रायधना और शेर सिंह हुडास सहित लाडनूं विधानसभा से अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे।

करनाल में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित

हरियाणा राजपूत प्रतिनिधि सभा द्वारा 16 मार्च को करनाल के सेक्टर- 8 में स्थित राजपूत धर्मशाला में प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें राजपूत समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं, उत्कृष्ट खिलाड़ियों व दहेज न लेने वाले परिवारों को सम्मानित किया गया। असंध विधायक योगेंद्र राणा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जिन युवाओं ने शिक्षा और खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है उनसे अन्य विद्यार्थियों को भी श्रेष्ठ प्रदर्शन की प्रेरणा मिलेगी। बिना दहेज के विवाह करने वाले परिवारों की यह पहल सम्माननीय और अनुकरणीय है। इनसे प्रेरणा लेकर हम सभी को मिलकर सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करना होगा। महाधिवक्ता हरियाणा सरकार परविंदर सिंह चौहान ने कहा कि युवा पीढ़ी के साथ परिवार के वरिष्ठ सदस्यों का संवाद नियमित रूप से बना रहना चाहिए तभी वे गलत संगत और प्रभावों से बच सकेंगे। कार्यक्रम में अतिरिक्त महाधिवक्ता पंजाब सरकार दीपेंद्र सिंह, हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के सदस्य भूपेंद्र सिंह चौहान, राजपूत सभा के अध्यक्ष डॉ नरेंद्र प्रताप सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता सतीश राणा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बापिणी खुर्द (जोधपुर) में कार्यविस्तार बैठक आयोजित

22 मार्च को श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की कार्यविस्तार बैठक जोधपुर जिले के बापिणी खुर्द स्थित बाबा रामदेव मंदिर, खेतनियां की ढाणी में आयोजित हुई। बैठक में श्री क्षत्रिय युवक संघ के परिचय तथा फाउंडेशन की कार्यप्रणाली, उद्देश्य एवं इसकी आगामी कार्ययोजना के बारे में बताया गया। बैठक में संघ के जोधपुर संभाग प्रमुख चंद्रवीर सिंह देनोक, गोरख सिंह बापिणी, तेज सिंह सोवनिया, गजेंद्र सिंह देनोक, सांग सिंह नाहर सिंह नगर, कैप्टेन मनोहर सिंह बापिणी खुर्द, सरपंच भंवर सिंह कड़वा, सरपंच बाबू सिंह बापिणी खुर्द, तेज सिंह बापिणी खुर्द, हनवंत सिंह बापिणी खुर्द, भौम सिंह नींबो का तालाब, प्रेम सिंह नींबो का तालाब, वीरेंद्र सिंह बलरिया सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे।

जोधपुर में करियर काउंसलिंग कार्यक्रमों का आयोजन

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन द्वारा जोधपुर जिले के साथीन, खांगटा, पालड़ी सिद्धा तथा खारिया खंगार गांवों में 16 मार्च को करियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा एवं रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित जानकारी दी गई, साथ ही योग्य विद्यार्थियों को CUET परीक्षा में आवेदन करने हेतु भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रमों में संघ के भोपालगढ़ बिलाड़ा प्रांत प्रमुख चैन सिंह साथीन, तेज सिंह सोवनिया, वीरेंद्र सिंह बलरिया, रतन सिंह खांगटा, विक्रम सिंह मेरासिया, नारायण सिंह जी पालड़ी सिद्धा, देवेंद्र सिंह बासनी, दलपत सिंह खारिया खंगार, नरपत सिंह खारिया खंगार सहित

विद्यार्थीगण एवं स्थानीय समाजबंधु उपस्थित रहे। 16 मार्च को रायपुर (ब्यावर) स्थित नरसिंहद्वारा में भी करियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें फाउंडेशन के सदस्य अजीत सिंह रूदिया ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में आवेदन तथा उनमें आगे रोजगार की संभावनाओं से संबंधित जानकारी दी। इस दौरान श्री राजपूत सभा रायपुर के अध्यक्ष भीम सिंह जी उदावत, कोषाध्यक्ष बलवीर सिंह जी उदावत, गोपाल सिंह जी रायपुर, जितेन्द्र सिंह रायपुर, कुलदीप सिंह रायपुर सहित विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

जैसलमेर में हुआ शहीद जयसिंह भाटी की प्रतिमा का अनावरण

जैसलमेर जिला मुख्यालय पर स्थित शहीद जय सिंह चौराहे पर स्थापित शहीद जयसिंह भाटी की प्रतिमा का अनावरण समारोह 27 मार्च को उनके बलिदान दिवस पर आयोजित हुआ। समारोह को संबोधित करते हुए सीमा सुरक्षा बल के उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) विक्रम कुमार ने कहा कि शहीद जयसिंह भाटी की स्मृति को चिरस्थाई रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा उनकी प्रतिमा स्थापित की गई है जो सराहनीय है। पूरे जिले से लोग आज शहीद को श्रद्धांजलि देने के लिए आए हैं क्योंकि उन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राण अर्पित कर दिए। वीर जय सिंह के अंदर देशभक्ति कूट-कूट कर भरी हुई थी। कश्मीर में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने उग्रवादियों के विरुद्ध कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पोकरण विधायक महंत प्रताप पुरी ने कहा कि जय सिंह भाटी ने वही किया जो उनके पूर्वज सदैव से करते आए हैं। मातृभूमि के लिए प्राणोत्सर्ग करना क्षत्रिय परंपरा रही है, इस परंपरा का पालन करते हुए जय सिंह ने भी अपने प्राण मातृभूमि पर न्योछावर कर दिए। शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए गौरव का दिन है क्योंकि आज ही के दिन इस धरती के वीर सपूत जय सिंह ने अपने पूर्वजों की बलिदानी परंपरा को अक्षुण्ण रखते हुए मातृभूमि की रक्षार्थ

अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया था। देश पर जब-जब किसी प्रकार का संकट आया है तब-तब हमारे वीरों ने अपने प्राणों की आहुति देकर उस संकट का सामना किया है। उपमहानिरीक्षक योगेंद्र सिंह राठौड़ ने कहा कि जय सिंह जैसे वीर सपूतों पर हम सभी को गर्व होना चाहिए और उनसे प्रेरणा लेकर देश के प्रति अपने कर्तव्य को निभाना चाहिए। पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने कहा कि जिन्होंने अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखते हुए देश के लिए बलिदान दिया वे सभी के लिए श्रद्धा योग्य हैं। ख्याला मठ के महंत गोरखनाथ जी ने भी अपना आशीर्वचन प्रदान किया। जैसलमेर विधायक छोटू सिंह ने सभी का आभार व्यक्त किया। सीमाजन संगठन के नींब सिंह, पूर्व सांसद कर्नल मानवेंद्र सिंह जसोल, पूर्व विधायक डॉ जितेंद्र सिंह, पूर्व विधायक रूपाराम धनदे, सुनीता भाटी, हरिवल्लभ कल्ला आदि ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर प्रताप सिंह नाथावत, जिला प्रमुख प्रताप सिंह रामगढ़, नगर परिषद आयुक्त लजपाल सिंह सोढ़ा, महाराजा दुष्यंत सिंह, प्रधान तन सिंह, लख सिंह, जनक सिंह सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कपूरिया महंत वीरम पुरी, आसरी मठ महंत त्रिलोक नाथ, महंत बाल भारती आदि संतों का भी सान्निध्य रहा। कार्यक्रम के दौरान शहीद के परिजनों को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन ईश्वर सिंह बैरसियाला एवं गणपत सिंह नोहड़ियाला ने किया। उल्लेखनीय है कि जैसलमेर के दक्षिणी बसिया क्षेत्र के गांव देवड़ा के निवासी जय सिंह सीमा सुरक्षा बल में उप समादेष्टा के पद पर सेवाएं देते हुए 27 मार्च 1996 को कश्मीर के सोपोर में दुर्दांत आतंकवादियों से संघर्ष करते हुए शहीद हो गए थे। उनके अदम्य साहस, शौर्य व पराक्रम को देखते हुए भारत सरकार द्वारा उन्हें राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया। उनके नाम पर सीमा सुरक्षा बल ने एक सीमांत चौकी का नाम 'जय' रखा है तथा उनकी 42वीं बटालियन द्वारा गुवाहाटी की एक सड़क का नाम शहीद जय सिंह के नाम पर रखा गया है।

अपनी प्रतिभाओं को तराशे समाजः राठौड़

(लालसोट में प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न)

समाज को अपनी प्रतिभाओं को तराशने पर ध्यान देना चाहिए। यह प्रतिभाएं ही आगे चलकर नेता, अधिकारी, उद्यमी आदि बनकर समाज के विकास में योगदान देंगी। वर्तमान युग बाहुबल का नहीं बौद्धिक बल का है इसलिए प्रतिभाओं का प्रोत्साहन और मार्गदर्शन करना आवश्यक है। शिक्षा व सत्ता में भागीदारी के लिए समाज को संगठित और जागरूक होकर इस दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है। उपर्युक्त बात दौसा जिले के लालसोट कस्बे में 16 मार्च को श्री राजपूत सभा के तत्वावधान में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कही। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सामाजिक मूल्य टूट रहे हैं, जिसके कारण समाज में विघटन बढ़ रहा है। इसे रोकने के लिए यह हम सब की सामूहिक जिम्मेदारी है कि हम सामाजिक मूल्यों को पुनः प्रतिष्ठित करें। उन्होंने लालसोट में राजपूत समाज के छात्रावास के लिए भूमि आवंटन हेतु मुख्यमंत्री से मिलकर आवंटन करवाने की बात कही। स्थानीय विधायक रामबिलास मीणा ने कहा कि राजपूत समाज का

गौरवशाली इतिहास सभी के लिए हमेशा प्रेरणादायक रहा है। हम सभी को मिलकर राष्ट्र को मजबूत करने के लिए कार्य करना है। मेघराज सिंह रॉयल ने कहा कि समाज में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की आवश्यकता है, साथ ही समाज को एकजुट और संगठित होना होगा तभी समाज अपने अधिकारों को प्राप्त कर सकेगा। राजपूत सभा के अध्यक्ष राम सिंह चंदलाई ने कहा कि सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना है। शक्ति सिंह बांदीकुई, गोपाल सिंह हामास, दीपक सिंह नरूका, धूला राव साहब आदि ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र सिंह एवं शिवराज सिंह चौहान ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली राजपूत समाज की 173 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त विधवा महिलाओं को सिलाई मशीनें भी प्रदान की गई। कार्यक्रम के पश्चात राजपूत सभा के नवनिर्मित कार्यालय का भी उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में राजपूत सभा लालसोट के संरक्षक गोपाल सिंह खटवा, अमर सिंह राणावत, सूरजभान सिंह मोहम्मदपुरा, अध्यक्ष जगदीश सिंह बाँकावत, उपाध्यक्ष गुमान सिंह चौहान सहित अन्य पदाधिकारी एवं समाज बंधु उपस्थित रहे।

बूंदी के अंतिम शासक कर्नल बहादुर सिंह की 105वीं जयंती मनाई

बूंदी में नैनवा रोड स्थित मैरिज गार्डन में बूंदी के अंतिम शासक कर्नल बहादुर सिंह जी की 105वीं जयंती 16 मार्च को समारोह पूर्वक मनाई गई। बूंदी जिला क्षत्रिय शिक्षा प्रचारिणी समिति के तत्वावधान में आयोजित जयंती कार्यक्रम के दौरान प्रतिभा सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया। पूर्व सांसद इज्यराज सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बूंदी में राजपूत समाज द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में की जा रही प्रगति प्रशंसनीय है। बालिका शिक्षा को लेकर भी समाज में सकारात्मक सोच विकसित हो रही है जो एक अच्छा संकेत है। वंशवर्धन सिंह बूंदी ने कहा कि कर्नल बहादुर सिंह जी ने अपना जीवन प्रजा के हित में जिया, इसलिए बूंदी की जनता आज भी उनके प्रति श्रद्धा रखती है। उनकी जन सेवा की भावना सभी के लिए अनुकरणीय है। बूंदी जिला प्रमुख चंद्रावती कंवर, हाड़ौती शिक्षा प्रचारिणी समिति कोटा के जिलाध्यक्ष भंवर सिंह घांटी, झालावाड़ शिक्षा प्रचारिणी समिति के जिलाध्यक्ष कृष्णपाल सिंह, महीपत सिंह हाडा, बलराज सिंह खींची, बलभद्र सिंह हाड़ा, केशोरायपाटन प्रधान वीरेंद्र सिंह हाड़ा, चंदन सिंह गोयन्दा, कर्नल दुष्यंत सिंह, कृषि विशेषज्ञ अन्नू कानावत आदि वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे और कर्नल बहादुर सिंह जी को स्मरण करते हुए उनसे प्रेरणा लेने की बात कही। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली राजपूत समाज की 35 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। समिति सचिव नंदसिंह पीपल्या ने संस्था का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समिति अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने सभी का आभार जताया। कार्यक्रम के पश्चात नवनिर्मित अमर कंवर राजपूत बालिका छात्रावास भवन का लोकार्पण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन जगदीश सिंह, संजय सिंह और ओमराज सिंह हाड़ा ने किया। कार्यक्रम में समिति के पदाधिकारी एवं बूंदी शहर में रहने वाले समाजबंधु मातृशक्ति सहित उपस्थित रहे।

कानपुर में संरक्षक श्री के सान्निध्य में बैठक आयोजित

उत्तरप्रदेश के कानपुर शहर में 18 मार्च को माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर के सान्निध्य में स्थानीय समाजबंधुओं के साथ एक बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में क्षेत्र में संघकार्य के विस्तार को लेकर संवाद किया गया, साथ ही कानपुर के टीकमापुर और रणजीतपुर में संघ के शिविरों के आयोजन पर भी चर्चा की गई। बुन्देलखण्ड प्रांत प्रमुख जितेन्द्र सिंह सिसरवादा भी बैठक में उपस्थित रहे।

संपादकीय

'सामाजिक भाव और ध्येयनिष्ठा'

समाज के प्रति अपनत्व के भाव से प्रेरित होकर, किसी सामाजिक कार्यकर्ता या संस्था के संपर्क में आकर, अपने कालखंड और परिवेश पर अपनी पहचान अंकित करने की उत्कट महत्वाकांक्षा के वशीभूत होकर अथवा अन्य किसी कारण से हममें से अनेक व्यक्ति सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने की उमंग लेकर उतरते हैं। उस समय जो मार्ग और माध्यम उन्हें उपलब्ध होता है और उन्हें उचित प्रतीत होता है, उसी के अनुसार वे कार्य करना प्रारंभ करते हैं। यदि हम हमारे समाज में सामाजिक संस्थाओं की संख्या देखें अथवा स्वतंत्र रूप से भी विभिन्न माध्यमों पर समाज की बात करने वाले, लिखने वाले व्यक्तियों की संख्या देखें तो पाएंगे कि बहुत बड़ी संख्या में संस्थाएं और व्यक्ति सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने हेतु निरंतर प्रवेश करते रहते हैं। किंतु, विचारणीय यह है कि इतनी बड़ी संख्या में सामाजिक क्षेत्र में प्रवेश करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं में से सामाजिक जीवन को व्यापक रूप से प्रभावित करने वालों की संख्या कितनी रहती है? कितने व्यक्ति अथवा संस्थाएं हैं जो जीवन पर्यंत उस कार्य को करते रहते हैं जिसे उन्होंने प्रारंभ किया था? वस्तुतः ऐसे व्यक्तियों अथवा संस्थाओं की संख्या नगण्य ही होगी। इसका कारण यदि ढूंढेंगे तो पाएंगे कि ऐसे व्यक्तियों और संस्थाओं में ध्येयनिष्ठा अर्थात अपने ध्येय के निमित्त जीवन पर्यंत कर्मरत रहने की संकल्प शक्ति का अभाव रहता है।

यह ध्येयनिष्ठा कितनी महत्वपूर्ण है, इसे हम मानव समाज को प्रभावित करने वाले महापुरुषों के जीवन में देख सकते हैं। मानव समाज आगे बढ़ने हेतु प्रेरणा चाहता है, यह उसका सहज स्वभाव है। इस प्रेरणा के लिए वह अपने समकालीन अथवा पूर्ववर्ती अन्य ऐसे व्यक्तियों की ओर देखता है जिन्होंने कुछ विशिष्ट, अनूठा और लोकमानस के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण जीवन जिया हो। समाज अपनी प्रेरणा के स्रोत ऐसे व्यक्तियों को महापुरुष, मार्गदर्शक और नेतृत्वकर्ता के रूप में प्रतिष्ठित करता है। ऐसे महापुरुषों, मार्गदर्शकों और नेतृत्वकताओं के जीवन को यदि हम देखें तो एक बात स्पष्ट रूप से उभर कर सामने आती है कि ऐसे सभी महापुरुषों के जीवन में ध्येयनिष्ठा अनिवार्य तत्व के रूप में विद्यमान रही है। उनकी ध्येयनिष्ठा ने ही उनके जीवन को एक सूत्र में बांधा, उनकी समस्त जीवन ऊर्जा उनकी ध्येय पूर्ति के सापेक्ष प्रयुक्त हुई और उसी के फलस्वरूप उनका जीवन आभापूर्ण होकर अन्यों के लिए प्रेरणादायी बन गया। ऐसे ही व्यक्ति अथवा उनकी प्रेरणा से जन्म लेकर उन्हीं की भांति ध्येयनिष्ठ बनी रहने वाली संस्थाएं ही समाज को सच्चे अर्थों में प्रभावित और परिवर्तित कर पाती हैं। इसलिए सामाजिक क्षेत्र के कार्यकर्ता को जीवन पर्यंत कर्मरत रहने के सूत्र को भली भांति आत्मसात कर लेना आवश्यक है। यह सूत्र सुनने और पढ़ने में सरल लग सकता है किंतु इसे व्यवहार में ढालना अत्यंत कठिन है क्योंकि हमारा जीवन कोई क्षणिक और एकांगी घटना नहीं है बल्कि एक लंबी श्रृंखला और अनेक घटनाओं, परिस्थितियों और पड़ावों का जोड़ है। जीवन में संघर्षों और विरोधों का आना अनिवार्य है, परिस्थितियों की अनुकूलता और प्रतिकूलता भी एक के बाद एक आती ही है, जय-पराजय, आशा-निराशा, प्रशंसा-आलोचना आदि सभी जीवन यात्रा में अनिवार्य रूप से मिलते ही हैं। इन सबके बीच ध्येयनिष्ठा को जागृत रखना अत्यंत कठिन है और इसीलिए हम देखते हैं कि सामाजिक क्षेत्र में जीवन पर्यंत कर्मशील रहने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं की संख्या अत्यल्प ही होती है। कुछ मार्ग में आने वाली आलोचनाओं से विचलित हो जाते हैं तो कुछ प्रशंसाओं में बहकर ध्येयच्युत हो जाते हैं। कुछ जीवन में परिस्थितियों की प्रतिकूलता आने पर ध्येय की ओर बढ़ते अपने कदम पीछे खींच लेते हैं तो कुछ को परिस्थितियों की अति अनुकूलता भी जड़ और निष्क्रिय बना सकती है। अतः जीवन क्रम में आने वाली विभिन्न घटनाओं, परिस्थितियों और पड़ावों के बीच भी ध्येयनिष्ठा को निरंतर जागृत रखना उनके लिए आवश्यक है जो समाज को अपना कार्यक्षेत्र बनाते हैं।

ध्येयनिष्ठा को जागृत रखने का एकमात्र उपाय है साधना की शक्ति का निर्माण। जो साधना द्वारा अपने आप को निरंतर परिष्कृत करता रहता है, वही सदैव अपने ध्येय के अनुकूल बने रह सकता है और परिस्थितियों की अनुकूलता और प्रतिकूलता से निरपेक्ष रहते हुए अपने ध्येय के निमित्त कर्मरत रह सकता है। पूज्य श्री तनसिंह जी 'लापरवाह के संस्मरण' पुस्तक में इसीलिए लिखते हैं कि - 'विरोधों और संघर्षों की आंधी में केवल वे ही दीपक बुझते हैं, जो अपनी आत्म रक्षा में शक्ति संचय नहीं करते।' श्री क्षत्रिय युवक संघ इसीलिए अपनी सामूहिक संस्कारमयी कर्मप्रणाली के माध्यम से साधना की शक्ति का निर्माण करते हुए समाज में कार्य कर रहा है। संघ इस बात को जानता है कि हमारे सामाजिक भाव का दीपक तभी तक जलता रह सकता है जब तक इसमें साधना की शक्ति का संचय होता रहे। इसीलिए संघ बार-बार शाखा और शिविरों में आकर साधना की शक्ति के निर्माण की बात करता है, जीवंत पर्यंत इस प्रक्रिया का अंग बने रहने की बात करता है जिससे हमारे सामाजिक भाव का दीपक कभी भी बुझे नहीं बल्कि हमारा वह भाव समाज सापेक्ष कर्मशक्ति का स्वरूप धारण करके समाज के लिए अपनी उपादेयता को सिद्ध करे। इसलिए सामाजिक क्षेत्र में यदि हम सक्रिय हैं अथवा होना चाहते हैं तो यह समझ लेना आवश्यक है कि ध्येयनिष्ठा के सूत्र को समझकर और उसे आत्मसात करके ही हम उस सक्रियता को समाज के दृष्टिकोण से सार्थक बना सकेंगे। जैसा कि पहले कहा गया, व्यावहारिक धरातल पर यह कार्य अत्यंत कठिन है किंतु कोई भी कार्य जो व्यक्तिगत रूप से कठिन होता है वही सामूहिक रूप से किए जाने पर अपेक्षाकृत रूप से सरल बन जाता है। संघ में सामूहिक रूप से किए जाने वाले अभ्यास से ध्येयनिष्ठा जैसी कठिन वृत्ति भी सरलता से आचरण में ढल जाती है। इसलिए आएं, हम भी इस सामूहिक अभ्यास का अंग बनें और अपने सामाजिक भाव को साधना शक्ति के माध्यम से जागृत ध्येयनिष्ठा का स्थायी आधार प्रदान करें।

समारोह पूर्वक मनाई महाराव खंगार जी की 500वीं जयंती

कच्छवाहा वंश की खंगारोत शाखा के मूल पुरुष महाराव खंगार जी की 500वीं जयंती उनके वंशजों द्वारा जयपुर के नारायणा (दूदू) में 22 मार्च को समारोह पूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर शोभायात्रा, वीरगाथा पाठ, ऐतिहासिक व्याख्यान, सांस्कृतिक संध्या, प्रतिभा सम्मान समारोह एवं स्नेहभोज सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। जम्मू कश्मीर के पूर्व राजपरिवार के सदस्य विक्रमादित्य सिंह, जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह शाहपुरा, राजस्थान के पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी आदि वक्ताओं ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महाराव खंगार जी की वीरता, कूटनीति और अदम्य साहस सभी के लिए प्रेरणादायी है। खंगारोत वंश के इस महान नायक ने अपने पराक्रम और शौर्य से ख्याति अर्जित की एवं

भारतीय इतिहास में अपना नाम अंकित किया। महाराव खंगार ने अपने शासनकाल में नारायणा राज्य को शक्तिशाली बनाया एवं प्रजा हित के अनेक कार्य करते हुए तालाब, कुएं, बावड़ियाँ, मंदिर, धर्मशालाएं आदि का निर्माण करवाया। उन्हें उनकी प्रजावत्सलता एवं त्वरित न्याय प्रणाली हेतु आज भी स्मरण किया जाता है। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान में अपनी पहचान को बनाए रखने के लिए अपने इतिहास को जानना एवं उससे जुड़ना अत्यंत आवश्यक है। महाराव खंगार जी जैसे अपने पूर्वज महापुरुषों को स्मरण करके ही हम अपनी जड़ों से जुड़े रह सकते हैं। ऐसे आयोजन हमारी सामाजिक एकता और गौरवशाली विरासत के प्रतीक हैं। नारायणा दादू धाम के ओमप्रकाश महाराज एवं पुष्कर के समताराम महाराज के सान्निध्य में संपन्न इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले खंगारोत शाखा के सदस्यों को सम्मानित भी किया गया जिनमें डॉ. महेंद्र सिंह खंगारोत (एस.पी., गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, बीकानेर), डॉ. पीयूष राज सिंह मालपुरा (वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, निश्चेतन एवं क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ), डॉ. शशि कंवर खंगारोत (एमडी एनेस्थीसिया, एसएमएस मेडिकल कॉलेज), शांतनु सिंह खंगारोत (सिविल न्यायाधीश, राजगढ़, अलवर), शिवदीप सिंह संझारिया, डॉ. सौम्या खंगारोत आदि शामिल हैं। इस अवसर पर नारायणा दुर्ग में पूजा अर्चना भी की गई एवं विजय स्तंभ पर पुष्पांजलि अर्पित कर महाराव खंगार के बलिदान को नमन किया गया। आयोजन समिति के नरपत सिंह सावरदा ने बताया कि कार्यक्रम में राजस्थान के विभिन्न जिलों से हजारों की संख्या में समाजबंधु मातृशक्ति सहित उपस्थित रहे।

जयपुर में हुआ अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का राष्ट्रीय अधिवेशन

जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र की झोटवाड़ा विधानसभा के वैशाली नगर में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा-1897 का राष्ट्रीय अधिवेशन 23 मार्च को आयोजित हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह शाहपुरा ने कहा कि समाज का सच्चा हित इसी में है कि हम सभी एक होकर रहें एवं सभी वर्गों को साथ लेकर एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में योगदान देवें। राजस्थान सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि समाज को सर्वोपरि रखते हुए हमें आपसी मतभेदों को भुलाकर समाज के प्रति होने वाले दुष्प्रचार का एक स्वर से प्रत्युत्तर देना चाहिए। महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ठाकुर ने कहा कि समाज को जागृत करने के लिए हमें सक्रिय होकर कार्यरत होना होगा। कार्यक्रम में महासभा के संरक्षक ठाकुर गुलचैन सिंह चड़क, महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. हरेंद्र पाल राणा, महासभा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष जगेंद्र सिंह तंवर, कार्यक्रम संयोजक बद्री सिंह सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे।

झालावाड़ में होली मिलन व नवीन कार्यकारिणी का गठन

झालावाड़ जिले के भवानी मंडी कस्बे में राजपूत समाज का होली मिलन समारोह स्थानीय राजपूत बोर्डिंग हाउस में 26 मार्च को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाजबंधुओं ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान राजपूत महासभा के नए पदाधिकारियों की नियुक्ति भी की गई जिसमें सर्वसम्मति से शम्भू सिंह चंद्रावत को महासभा का अध्यक्ष और यशवंत सिंह सिसोदिया को संरक्षक चुना गया। साथ ही राजपूत बोर्डिंग हाउस का नया नेतृत्व भी तय किया गया। माधो सिंह हाड़ा को बोर्डिंग हाउस का अध्यक्ष और फतेह सिंह सोनगरा को संरक्षक नियुक्त किया गया। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने समाज हित में कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में समाज और बोर्डिंग हाउस की प्रगति के लिए विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में उदय सिंह सोनगरा, शिवराज सिंह झाला, नाथू सिंह चंद्रावत समेत समाज के कई गणमान्य सदस्य मौजूद रहे।

रामगढ़ में बैठक कर लिया कुरीतियों पर रोक का निर्णय

जैसलमेर जिले के रामगढ़ में स्थित राजपूत छात्रावास में श्री राजपूत सेवा समिति रामगढ़ की बैठक 9 मार्च को आयोजित हुई। बैठक में समाज बंधुओ द्वारा सामाजिक कुरीतियों की रोकथाम पर चर्चा की गई एवं विवाह समारोह में प्रचलित हो रही हल्दी व मेहंदी की नई रस्मों पर रोक लगाने, डीजे साउंड पर रोक लगाने, बारात की संख्या सीमित रखने, शराब व मांसाहार पर प्रतिबंध लगाने, विभिन्न प्रकार के दिखावों पर रोक लगाने आदि निर्णय लिए गए। विवाह समारोह में शिक्षा नेग देने एवं शोक के समय नशाबंदी के भी निर्णय लिए गए।

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	**मा.प्र.शि (बालक)**	10.04.2025 से 14.04.2025 तक	**उदयपुर।** श्री प्रताप हाऊस, बी.एन. परिसर (**नोटः** 09 अप्रेल की रात तक पहुंचे।)
02.	**दम्पति शिविर**	12.04.2025 से 14.04.2025 तक	**चित्तौड़गढ़।** पति-पत्नी में से किसी एक का कम से कम एक प्रा.प्र.शि. किया हुआ हो। शिविर स्व पोषित है।
03.	**प्रा.प्र.शि बालक वर्ग**	12.04.2025 से 14.04.2025 तक	**रामगढ़।** राजपूत छात्रावास, जिला जैसलमेर। शिविर 18 से 35 वर्ष के युवा वर्ग के लिए है।
04.	**प्रा.प्र.शि (बालिका)**	01.05.2025 से 05.05.2025 तक	राजपूत धर्मशाला, भादवा माता जी (जिला-नीमच, मध्यप्रदेश) कक्षा 8वीं से ऊपर की बालिकाएँ भाग ले सकती हैं। भादवा माता जी (नीमच से 14 किमी दूर स्थित है) आने के लिए नीमच से सुबह 7 बजे से बसें उपलब्ध हैं।
05.	**प्रा.प्र.शि बालक वर्ग**	09.05.2025 से 12.05.2025 तक	**बावतरा।** श्री कवाय माता मंदिर। तहसील सायला-जालोर बाड़मेर-जालोर हाई-वे पर स्थित। सम्पर्क सूत्रः गजेन्द्रसिंह कोमता-9461453360, इन्द्रसिंह सायला- 9982831051
06.	**उ.प्र.शि बालक वर्ग**	18.05.2025 से 29.05.2025 तक	**उदयपुर।** 10वीं की परीक्षा दी हो। एक मा.प्र.शि. तथा दो प्रा.प्र.शि. किया हो।
07.	**उ.प्रा.शि मातृशक्ति**	23.05.2025 से 29.05.2025 तक	**उदयपुर। 10वीं उत्तीर्ण। कम से कम दो शिविर किए** हुए हो। सायंकालीन प्रार्थना में पारम्परिक। गणवेश-केसरिया साड़ी या पोशाक।

गजेन्द्र सिंह आऊ, शिविर कार्यालय प्रमुख

टोपर्स Toppers
गुरु कुल

दलीप सिंह राठौड़
Army Retd. Comundo
M. 9772758445
M. 7014540001
15 वर्षों से आर्मी डिफेन्स के फिजिकल चयन का अनुभव
हॉस्टल सुविधा
भैरू सिंह शेखावत
M. 9571955948
15 वर्षों से सैनिक स्कूल चयन से लेकर एनडीए तक चयन का अनुभव
सैनिक, मिल्ट्री, नवोदय, आरआईएमसी, देहरादून व सभी प्रकार की डिफेन्स सर्विस में चयन के लिए सर्वोत्तम स्थान (जय भारत)
सांवली सर्किल के पास, जयपुर-बीकानेर बाईपास, सीकर

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

BNB
ॐ
श्री योगेश्वर छात्रावास
कुचामन सिटी
विशेषताएं
1. कक्षा 6 से 12 वीं तक के विद्यार्थियों हेतु सीमित स्थान ।
2. अनुशासित एवं नियमित दिनचर्या ।
3. शुद्ध, पौष्टिक एवं सात्विक आहार ।
4. सभी प्रमुख शिक्षण संस्थाओ के समीप स्थित ।
5. स्वाध्याय हेतु निःशुल्क लाईब्रेरी सुविधा ।
जिम्मेदारी हमारी विश्वास आपका
सम्पर्क सूत्र :
9772097087, 9799995005, 8769190974
SBI बैंक के पास, डीडवाना रोड़, कुचामन सिटी

अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

विभिन्न स्थानों पर होली स्नेहमिलन आयोजित

14 मार्च को होली के उपलक्ष्य में विभिन्न स्थानों पर स्नेहमिलन कार्यक्रम आयोजित किए गए जिनमें स्वयंसेवकों व समाजबंधुओं ने आपस में होली की शुभकामनाएं दीं और रंगोत्सव मनाया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के जयपुर स्थित केंद्रीय कार्यालय संघशक्ति में 14 मार्च को होली धमाल कार्यक्रम का आयोजन माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर के सान्निध्य में किया गया। कार्यक्रम में जयपुर शहर में रहने वाले स्वयंसेवक शामिल हुए एवं सहगीत व नृत्य के साथ एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। माननीय संघप्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास एवं वरिष्ठ स्वयंसेवक महावीर सिंह जी सरवड़ी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। बाड़मेर स्थित आलोक आश्रम में 13 मार्च की रात्रि को होलिका दहन किया गया जिसमें बाड़मेर शहर में रहने वाले स्वयंसेवक शामिल हुए। महाराष्ट्र संभाग में मुंबई में 14 मार्च को भायंदर, तुर्भे और गिरगांव चौपाटी मुंबई में होली मनाई गई। तलोजा (नवी मुंबई) में दक्षिण मुंबई प्रांत की वीर प्रताप शाखा खारघर के स्वयंसेवकों का स्नेह मिलन रखा गया जिसमें प्रांत प्रमुख देवी सिंह झलोडा सहयोगियों सहित उपस्थित रहे। आंध्रप्रदेश के विशाखापत्तनम में कल्ला रायमलोत शाखा द्वारा धुलंडी कार्यक्रम आयोजित किया गया। दक्षिण भारत प्रांत में हैदराबाद में वीर दुगार्दास शाखा भाग्यनगर और तनेराज शाखा सिकंदराबाद द्वारा होली मनाई गई। जालौर जिले में राव कूंपा जी शाखा ऊण के तत्वावधान में होली स्नेहमिलन आयोजित किया गया जिसमें गांव के सभी राजपूत परिवारों के घरों में केसरिया पताकाएं लगाने का अभियान भी चलाया गया। उदयपुर में बी एन विश्वविद्यालय परिसर में राणा सांगा शाखा के स्वयंसेवकों द्वारा भी होली मनाई गई। बाड़मेर में बिंजराज सिंह की ढाणी, मिठडी में भी

आलोक आश्रम, बाड़मेर

सूरत

शाखा स्तर पर होली खेली गई। पाली प्रांत के सोजत मंडल की शिवशक्ति मातृशक्ति शाखा बड़ा गुड़ा द्वारा भी होली स्नेहमिलन 17 मार्च को रखा गया जिसमें शाखा प्रमुख नीतू कंवर सहित अन्य स्वयंसेविकाओं ने रंगोत्सव मनाया। छोटी रानी (पाली) में भी होली मिलन व गैर नृत्य का आयोजन किया गया। नागौर में गोविंदासोत मेड़तिया के चार गांव - खरेश, बेड़वा, जैवलियाबास व गैलासर के समाजबंधुओं का होली स्नेहमिलन 15 मार्च को बेड़वा गांव में स्थित नागणेच्या माता मन्दिर परिसर में आयोजित हुआ जिसमें चारों गांवों के समाजबंधुओं ने विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की। कार्यक्रम में श्री क्षत्रिय युवक संघ के डीडवाना प्रांत प्रमुख जयसिंह सागु ने संघ के उद्देश्य व कार्य प्रणाली के बारे में बताते हुए कहा कि वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालते हुए हमें व्यवस्था का अंग बनकर इसका अधिकतम सदुपयोग समाज हित में करना है। कार्यक्रम में राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्य कर्नल केसरी सिंह, उपखंड अधिकारी दिलीप सिंह बेड़वा सहित गैलासर सरपंच दिलीप सिंह, सिंगरावट सरपंच मंगेज सिंह जैवलियाबास, बेड़वा सरपंच गोविंद सिंह, रणवीर सिंह खरेश ने भी अपने विचार व्यक्त किये। सभी ने साथ मिलकर समाज को संगठित और जागरूक करने हेतु कार्य करने की बात कही। कार्यक्रम में आपसी समन्वय को बढ़ाने हेतु एक समिति के गठन का प्रस्ताव भी रखा गया। अगले स्नेहमिलन के आयोजन की जिम्मेदारी जैवलियाबास के समाजबंधुओं ने ली। श्री क्षत्रिय युवक संघ के गुड़ामालानी प्रांत के बूठ गांव में भी होली स्नेहमिलन का आयोजन किया गया जिसमे बूठ गांव के संघ बंधुओ ने भाग लिया। कार्यक्रम की भूमिका बताते हुए जोगराज सिंह बूठ ने होली त्यौंहार को मनाने की परम्परा, कारण व महत्व पर प्रकाश डाला। प्रांत प्रमुख गणपत सिंह बूठ ने कहा कि आज हम अपनी महान परम्पराओं को भूलते जा रहे हैं और कुरीतियों के शिकार हो रहे हैं। जब तक इन सामाजिक बुराइयों से मुक्त नहीं होंगे तब तक हम समाज हित में कार्य नहीं कर पायेंगे। दक्षिण गुजरात संभाग के सूरत शहर प्रांत में 16 मार्च को होली मिलन का कार्यक्रम आयोजित हुआ जिसमें सूरत की विभिन्न शाखाओं के स्वयंसेवक एवं स्थानीय समाजबंधु उपस्थित रहे। सभी ने एक दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं।

संभागप्रमुख खेत सिंह चांदेसरा सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित रहे। उन्होंने होली के महत्व पर चर्चा करते हुए बताया कि यह पर्व उल्लास और उत्साह का प्रतीक है। हमें भी संघ के स्वयंसेवक के रूप में समाज में उल्लास और उत्साह का वातावरण निर्मित करना है। जोधपुर संभाग के शेरगढ़ प्रांत में भी होली स्नेहमिलन एवं स्नेहभोज कार्यक्रम 15 मार्च को अर्जुन सिंह झिनझिनयाला के फार्म हाउस पर आयोजित हुआ। संघ के केंद्रीय कार्यकारी प्रेम सिंह रणधा ने उपस्थित समाजबंधुओं से संवाद करते हुए संघ के उद्देश्य व कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दी और कहा कि संघ का कार्य समाज में क्षत्रियोचित संस्कार निर्माण का है जिसमें आप सभी के सक्रिय सहयोग की आवश्यकता है।

शेरगढ़ प्रांत में कार्य विस्तार हेतु आगामी कार्ययोजना भी तैयार की गई। कार्यक्रम में संभागप्रमुख चंद्रवीर सिंह देणोक, हरि सिंह ढेलाणा, भंवर सिंह बालेसर, चंद्रवीर सिंह भाळु, भैरू सिंह बेलवा व गुलाब सिंह, पेहप सिंह, विक्रम सिंह, इंद्र सिंह, मनोहर सिंह आदि ग्रामवासी शामिल हुए। कुचामन स्थित श्री हनुमंत राजपूत छात्रावास में नांवा विधानसभा क्षेत्र का होली स्नेह मिलन 23 मार्च को रखा गया जिसमें नांवा तहसील के अनेकों गणमान्य समाजबंधु शामिल हुए। इस दौरान राजपूत छात्रावास की नई कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। कार्यक्रम में राजपूत छात्रावास में विभिन्न विकास कार्यों पर भी चर्चा की गई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के कुचामन मंडल प्रमुख सुनील सिंह रसाल व अन्य स्वयंसेवक भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

मंदसौर में होली स्नेहमिलन एवं वार्षिकोत्सव का आयोजन

मध्यप्रदेश के मंदसौर में राजपूत समाज सामाजिक संगठन का होली मिलन एवं वार्षिक सम्मेलन समारोह 23 मार्च को लोढ़ेसाथ धर्मशाला में आयोजित हुआ। समारोह को संबोधित करते हुए नीमच विधायक दिलीप सिंह परिहार ने कहा कि राजपूत समाज सबको साथ लेकर चलने वाला समाज है इसीलिए आज भी सभी लोग राजपूत समाज का सम्मान करते हैं। आज हमें समाज में एकजुटता के भाव को जगाने की सर्वाधिक आवश्यकता है। हम एकजुट होकर ही सभी का नेतृत्व कर सकेंगे। मंदसौर विधायक विपिन जैन ने कहा कि भारत की गौरवशाली संस्कृति और इतिहास के निर्माण में राजपूत समाज का महत्वपूर्ण योगदान है। आजादी के समय भी अपनी रियासतों को छोड़कर इस समाज ने राष्ट्र के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर दिया, इसलिए राजपूत समाज प्रत्येक भारतवासी के लिए सम्माननीय है। जिला राजपूत समाज के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह काचरिया ने कहा कि पूरे भारत के क्षत्रिय एक परिवार के सदस्य हैं और इसलिए हमें आपस में बंधुत्व का भाव बनाए रखना है। जिला राजपूत समाज की महिला शाखा की अध्यक्षा दुर्गेश भाटी ने भी अपने विचार रखते हुए मातृशक्ति से समाज हित में सक्रिय होकर योगदान देने की बात कही। समारोह में दशरथ सिंह चंद्रावत, केके सिंह भाटी, डॉ प्रीतिपाल सिंह राणा, भूपेंद्र सिंह राठौड़ सहित अनेकों गणमान्य समाजबंधु एवं संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सत्येंद्र सिंह सोम ने किया।

भोपाल में मनाई रंग पंचमी, मंदसौर में मातृशक्ति का फागोत्सव

मध्य प्रदेश राजपूत समाज संस्था के तत्वावधान में 19 मार्च को भोपाल के चार इमली स्थित महाराणा प्रताप भवन में रंग पंचमी मनाई गई। संस्था के अतिरिक्त महासचिव ऋतुराज सिंह परमार ने बताया कि कार्यक्रम में पर्यावरण के अनुकूल रंगोत्सव मनाया गया जिसमें 100 किलोग्राम फूलों के पंखुड़ियों एवं हर्बल अबीर-गुलाल का प्रयोग किया गया। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक गतिविधियां भी आयोजित की गई। संस्था के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट विनय भदौरिया ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मातृशक्ति की भी उपस्थिति रही। मंदसौर में भी 26 मार्च को मातृशक्ति द्वारा फागोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की संयोजक मेघना भाटी ने बताया कि कार्यक्रम में सभी महिलाओं ने पारंपरिक पहनावे के साथ फूलों एवं गुलाल से होली खेली, साथ ही भजन एवं नृत्य की प्रस्तुतियां भी दी गईं।

मध्य गुजरात संभाग की कार्ययोजना बैठक

श्री क्षत्रिय युवक संघ के मध्य गुजरात संभाग की बैठक 14 मार्च को अहमदाबाद के काणेटी गांव में स्थित प्राथमिक शाला में आयोजित हुई। बैठक में आगामी उच्च प्रशिक्षण शिविर, दंपती शिविर सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई और संभाग में आयोजित की जाने वाली सांघिक गतिविधियों के संबंध में कार्ययोजना तैयार की गई। संभाग प्रमुख बटुक सिंह काणेटी सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे।

(पृष्ठ एक का शेष)

भारतीय अस्मिता...

साथ ही इंदिरा गांधी स्टेडियम में विविध प्रतियोगिताएं यथा रस्सा कस्सी, घुड़साल, साफा बांधो, मेहंदी प्रतियोगिताएं भी आयोजित हुई। मलखंब के प्रदर्शन के साथ ही पश्चिमी कला सांस्कृतिक केंद्र के सहयोग से गुजरात का प्रसिद्ध तलवार रास, गरबा रास नृत्य भी आयोजित हुआ। इसके पश्चात महाराणा सांगा खेल प्रतियोगिता का समापन समारोह आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि जनजातीय क्षेत्रीय विकास विभाग आयुक्त शक्ति सिंह रहे। प्रतापगढ़ भाजपा जिला अध्यक्ष महावीर सिंह कृष्णावत, नारायण सिंह बडोली, भेरू सिंह चौहान (पूर्व जिला प्रमुख), बीएसएफ के केंद्रीय उपाध्यक्ष रणवीर सिंह शक्तावत, ब्रिगेडियर हर्षवर्धन सिंह, गजेंद्र सिंह बांसी, रणजीत सिंह भाटी, बस्सी राव यशवर्धन सिंह, हर्षवर्धन सिंह रूद आदि उपस्थित रहे। सायंकाल में जौहर भवन, गांधीनगर में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुआ। 25 मार्च को मुख्य समारोह चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर फतह प्रकाश महल प्रांगण में संपन्न हुआ। इससे पूर्व प्रातः 8:00 बजे से श्री भूपाल राजपूत छात्रावास से जौहर प्रतिमा की शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए चित्तौड़गढ़ दुर्ग पर पहुंची। शोभा यात्रा में महाराणा सांगा, महाराणा प्रताप, भक्तिमति मीरां, महारानी पद्मिनी, हाड़ी रानी आदि की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। 11:30 बजे जौहर स्थल पर श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली के निर्देशन में यज्ञ आयोजित हुआ। स्वागत उद्बोधन संस्थान के अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह विजयपुर ने दिया। मेवाड़ महाराणा विश्वराज सिंह द्वारा प्रेषित संदेश का वाचन संस्थान के महामंत्री तेजपाल सिंह खोर ने किया। समारोह के अंत में संस्थान के उपाध्यक्ष शक्तिसिंह मुरलिया ने सभी का आभार व्यक्त किया। सभी के लिए भोजन की व्यवस्था स्थानीय विधायक चंद्रभान सिंह आक्या द्वारा की गई।

क्षत्रियत्व...

आने वाली पीढ़ी को भी वह सम्मान और गौरव प्राप्त हो इसके लिए हम क्या कर रहे हैं? हम क्षत्रिय कुल में जन्मे हैं इसलिए हम अहंकारी नहीं बनें। वो इतिहास, जिसमें हमारी जड़ें हैं, हम उसे आगे बढ़ाएं नहीं तो गौरव के साथ-साथ हमारा क्षत्रियत्व भी समाप्त हो जाएगा। हमें क्षत्रिय के रूप में जीवित रहना है तो क्षत्रिय के गुणों का अर्जन करना पड़ेगा। गीता में भगवान कृष्ण ने क्षत्रिय के जो सात गुण बताए हैं उनका अभ्यास करना होगा, उन्हें जीवन में उतारना होगा। यदि ऐसा नहीं किया तो आने वाली पीढ़ियां इस गौरवशाली इतिहास को परियों की कहानी मात्र मानेगी। आज यहां अधिकतर प्रौढ़ और युवा दिखाई दे रहे हैं। हमें अपने बच्चों को भी ऐसे कार्यक्रमों में लाना होगा तभी वो अपने इतिहास को जानेंगे, क्षत्रिय संस्कारों के बारे में जानेंगे। नहीं तो फिर इसी प्रकार महाराणा प्रताप और राणा सांगा को लोगों के द्वारा अपशब्द कहे जाएंगे और हमें कोई अंतर नहीं पड़ेगा। इस प्रकार के अवसरों की उपादेयता तभी है जब हम भावी पीढ़ी को इस प्रकार का पाठ पढ़ाएं, संस्कारित बनाएं, बच्चों को इस गौरव की कीमत बताएं, यही उन वीर-वीरांगनाओं को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

गिरी सुमेल...

धरोहर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने गिरी में पैनोरमा के विकास एवं मरम्मत कार्यों हेतु 20 लाख रुपए का सहयोग देने की घोषणा की। कार्यक्रम में समता राम महाराज, पूर्व केबिनेट मंत्री नरपत सिंह राजवी, पूर्व सांसद गोपाल सिंह शेखावत ईडवा, शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़, शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी, जनजाति विकास आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़ पीपाड़ा, भाजपा नेता अभिमन्यु सिंह राजवी, भंवर सिंह मण्डली, मारवाड़ राजपूत सभा अध्यक्ष हनुमान सिंह खांगटा, भापजा जिला अध्यक्ष देहात जोधपुर त्रिभुवन सिंह भाटी सहित अनेकों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। समारोह में देश एवं राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों के साथ अन्य प्रदेशों से भी समाजबंधु मातृशक्ति सहित शामिल हुए। मूर्ति निर्माण समिति आसोप के संरक्षक सुमेर सिंह गजसिंह पुरा, अध्यक्ष दिग्विजय सिंह आसोप, उपाध्यक्ष पृथ्वी सिंह खारिया ढढ़ेसरी, सचिव नारायण सिंह बासनी, कोषाध्यक्ष रघुवीर सिंह सुवाणा, गोपाल सिंह रडौद, गोपाल सिंह नाड़सर, भंवर सिंह बागोरिया तथा आसोप ग्रामवासियों ने आयोजन व्यवस्था में सहयोग किया।

जसवंतपुरा में मनाया राणा नृपाल देव शौर्य दिवस

(देवल राजपूत प्रतिभा सम्मान समारोह का भी हुआ आयोजन)

जालौर जिले के जसवंतपुरा कस्बे में सुंधा माता रोड पर स्थित राणा नृपाल देव राजपूत छात्रावास में 23 मार्च को राणा नृपाल देव शौर्य दिवस एवं देवल राजपूत प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। झरड़ेश्वर व कटकेश्वर महादेव मठ के महंत कुलदीप भारती के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व मंत्री अर्जुन सिंह देवड़ा, पूर्व विधायक नारायण सिंह देवल, पूर्व सीएमएचओ गजेंद्र सिंह देवल, यशप्रताप सिंह पुंढीर, चित्तौड़गढ़ एसडीएम बीनू कंवर देवल, तहसीलदार नीरज कुमारी एवं डॉ. शैतान सिंह आदि गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में राणा नृपाल देव के शौर्य को नमन करते हुए उनसे प्रेरणा लेने की बात कही। वक्ताओं ने शिक्षा को महत्व देने की बात भी कही और बताया कि वर्तमान में जो समाज शिक्षा के क्षेत्र में आगे रहता है, वही सबल और समृद्ध बन सकता है। इसलिए समाज की युवा पीढ़ी को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित करने के साथ ही उनके लिए आवश्यक सुविधा, सहयोग एवं मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के लिए भी प्रयत्न होना चाहिए। समारोह में 10वीं एवं 12वीं कक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाली बालिकाओं, 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले बालकों एवं राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों सहित 61 प्रतिभाओं को स्मृति चिह्न व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन दलपत सिंह उचमत द्वारा किया गया। लाल सिंह व दलपत सिंह उचमत ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में पूरण सिंह गजापुरा, त्रिभुवन सिंह पूरण, दौलत सिंह कलापुरा, जालम सिंह डोरडा, प्रदीप सिंह मालवाड़ा, अमर सिंह तावीदर, सवाई सिंह वाड़ा, स्वरूप पाल सिंह राजीकावास, समिति के अध्यक्ष नाथू सिंह उचमत, उपाध्यक्ष देवीसिंह पादर, सचिव भंवर सिंह चेकला सहित अनेकों समाजबंधु उपस्थित रहे।

जब्बर सिंह सांथू बने राजपूत समाज कर्नाटक के अध्यक्ष

कर्नाटक के बेंगलुरु में राणा सिंहपेट स्थित राजपूत सभा भवन में 9 मार्च को राजपूत समाज कर्नाटक की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें सांथू निवासी जब्बर सिंह दहिया को संस्था का अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। जितेंद्र सिंह अणवाणा को उपाध्यक्ष, शैतान सिंह होथीगांव को सचिव, अर्जुन सिंह सवराटा को कोषाध्यक्ष एवं जालम सिंह सुराणा को सह-सचिव चुना गया। रविंद्र सिंह बिशनगढ़, विजय सिंह दादाल, तेज सिंह केरखेड़ा, गजेंद्र सिंह भैसाणा, सुजान सिंह उचमत, पहाड़ सिंह खरल, हीर सिंह धांगड़वास, विक्रम सिंह सिणधरा, मदन सिंह निंबावास, शैतान सिंह पादरा एवं इंदर सिंह डूडसी को सदस्य मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी के निवर्तमान अध्यक्ष मनोहर सिंह कुंपावत एवं अन्य समाजबंधु इस अवसर पर उपस्थित रहे।

इंदौर में राजपूत चेतना मंडल की कार्यकारिणी की बैठक

राजपूत समाज चेतना मंडल की कार्यकारिणी की बैठक 16 मार्च को इंदौर के अहिंसा उद्यान में आयोजित हुई। बैठक में संगठन की आगामी कार्य योजना तैयार की गई जिसमें 11 जनवरी 2026 को 33वाँ परिचय सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया, साथ ही दशहरा मिलन समारोह के आयोजन पर भी सहमति बनी। अध्यक्ष गजराजसिंह सोलंकी ने संस्था का वार्षिक लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा मोनिका बैस ने बताया कि संगठन का विस्तार पूरे भारत में किया जाएगा। प्रदेश के सभी जिलों में नई इकाइयां गठित की जाएंगी। बैठक में सचिव सत्येंद्र सिंह चौहान, कोषाध्यक्ष चंदरसिंह तोमर, संगठन महामंत्री मनोज ठाकुर, संयोजक रतन सिंह राजपूत और वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश तोमर भी उपस्थित रहे।

शहीद मेजर नटवर सिंह मुरलिया का बलिदान दिवस मनाया

चित्तौड़गढ़ जिले के गंगरार क्षेत्र के मुरलिया गांव में स्थित शहीद स्मारक पर अमर शहीद मेजर नटवर सिंह मुरलिया का बलिदान दिवस 27 मार्च को मनाया गया जिसमें ग्रामवासियों ने उपस्थित रहकर शहीद को पुष्पांजलि अर्पित की। शक्ति सिंह मुरलिया ने शहीद नटवर सिंह जी का जीवन परिचय दिया एवं उनकी स्मृतियों को साझा किया। इस अवसर पर शहीद के स्मारक पर हवन भी किया गया।

सैंथी (चित्तौड़गढ़) में विशेष शाखा व सामूहिक यज्ञ का आयोजन

चित्तौड़गढ़ प्रांत में हनुमान मंदिर परिसर बापूनगर, सैंथी में श्री क्षत्रिय युवक संघ की विशेष शाखा व सामूहिक यज्ञ का आयोजन 23 मार्च को किया गया। श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली ने उपस्थित समाज बंधुओ को संघ के उद्देश्य व कार्य प्रणाली के बारे में बताया। चित्तौड़गढ़ में आयोजित होने वाले दंपती शिविर, उदयपुर में आयोजित होने जा रहे माध्यमिक एवं उच्च प्रशिक्षण शिविर के संबंध में भी चर्चा की गई। संघ शक्ति, पथ प्रेरक के सदस्य बनाए गए एवं संघ साहित्य का वितरण किया गया। कार्यक्रम में रूद, चरपोटिया, भाटियो का खेड़ा, आकोलागढ़ आदि स्थानों से समाजबंधु उपस्थित रहे।

चान्देसरा बन्धुओं को मातृशोक

श्रीमती छगन कंवर

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक मूल सिंह, विशन सिंह व डूंगर सिंह चान्देसरा की माताजी **श्रीमती छगन कंवर** का देहावसान 16 मार्च 2025 को हो गया। पथ प्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करता है।

थान सिंह शिवकर को मातृशोक

श्रीमती बाल कंवर

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक वीर सिंह शिवकर की धर्मपत्नी एवं थान सिंह शिवकर की माताजी **श्रीमती बाल कंवर** का देहावसान 10 मार्च 2025 को हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

अरविंद सिंह मेवाड़ का निधन

अरविंद सिंह मेवाड़

मेवाड़ राजपरिवार के सदस्य **अरविंद सिंह मेवाड़** का निधन 16 मार्च को उदयपुर में हो गया। वे 81 वर्ष के थे। महाराणा मेवाड़ चेरिटेबल फाउंडेशन के अध्यक्ष के रूप में अरविंद सिंह ने उदयपुर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अरविंद सिंह क्रिकेट और पोलो के पेशेवर खिलाड़ी भी रहे। 1945-46 में वे रणजी ट्रॉफी में राजस्थान के कप्तान रहे। वे एचआरएच होटल समूह के चेयरमैन भी थे। उनके निधन पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व वसुंधरा राजे सहित अनेकों गणमान्य व्यक्तियों एवं जनमानस ने शोक व्यक्त किया।

भामाशाह ठाकुर श्री रघुवीर सिंह जी भाटी की प्रथम पुण्य तिथि पर सादर नमन

हिसार के गांव- तलवंडी रुक्का में साधारण परिवार में जन्मे **श्री रघुवीर सिंह जी** ने भारतीय सेना से सेवानिवृति के बाद अपनी ट्रांसपोर्ट कम्पनी **जे पी रोड़वेज (मद्रास)** का कारोबार पूरे भारत मे फैलाया। अपने साथ अपने पूरे परिवार को कारोबार में स्थापित किया। इन सभी उपलब्धियों के साथ उनका अपने गांव और आसपास के क्षेत्र से हमेशा लगाव बना रहा। गांव और आसपास के क्षेत्र में प्रत्येक सामाजिक, धार्मिक, वैवाहिक, चिकित्सकीय कार्यों में हमेशा बढ़ चढ़कर सहयोग किया। उनके पास जो जरूरतमंद आया उन्होंने उसकी मदद की। उनका लोगों से जुड़ाव और अपनत्व गहरा रहा।

उनका व्यक्तित्व हजारों लोगो के लिए प्रेरणापुंज है।
उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर सादन नमन।

जन्म: 15 जनवरी 1952
निवार्ण: 22 मार्च 2024
गांव: तलवंडी रुक्का (हिसार)

JR JAY PEE ROADWAYS (MADRAS)
FLEET OWNERS AND TRANSPORT CONTRACTORS

श्री कल्याण सिंह और समस्त भाटी परिवार।
जे पी रोडवेज (मद्रास).

ठा. श्री देरावर सिंह जी

सुपुत्र स्वर्गीय श्री मोहब्बत सिंह जी महेचा

रतनगढ़, शेरगढ़ (जोधपुर) के स्वर्गवास पर

अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

श्रद्धावनत :

- रणजीत सिंह चोक
- ज्ञान सिंह पीलवा
- देवी सिंह डाभड़ भाटीयान
- जसवंत सिंह पाटोदी
- महेंद्र सिंह खेड़ा
- युवराज सिंह रामसन
- धवल सिंह सिया (गुजरात)
- रघुनाथ सिंह बैण्याकाबास
- जेठू सिंह शेरगढ़
- तेज सिंह सिमरखिया

रावल मल्लीनाथ शाखा PCMC, पुणे, महाराष्ट्र संभाग

जन्म: 01 जनवरी 1931
निवार्ण: 16 मार्च 2025

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (स्वत्वाधिकारी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक राजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डी बी कॉर्प लिमिटेड, प्लोट नंबर-01, मंगलम कनक वाटिका के पीछे, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, रेल्वे क्रोसिंग के पास, बिलवा, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर (राजस्थान)-303903 (दूरभाष- 6658888) से मुद्रित एवं ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 (दूरभाष- 2466353) से प्रकाशित। संपादक- राजेंद्र सिंह राठौड़।
Email- pathprerak1997@gmail.com Website- www.shrikys.org